अब इंदौर की हवा सबसे जहरीली

एक्यूआई 236 के खतरनाक स्तर पर पहुंचा

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

इंदौर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्थिति की ओर बढ़ रहा है। अप्रैल से शहर का AQI 100 के नीचे नहीं आया है और वाहनों के धुएं, पराली जलाने और विकास कार्यों के चलते स्थिति बिगड़ती जा रही है। आईआईटी ने भी गंभीर चेतावनी दी है।

इंदौर में एक बार फिर से वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक होता जा रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स 1 अप्रैल से लगातार 100 के ऊपर बना हुआ है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, AQI में भी वृद्धि देखी जा रही है। शहर में वाहनों की बढ़ती संख्या, विकास के अधूरे निर्माण कार्य और शहर के सीमावर्ती इलाकों में पराली जलाने की घटनाओं के चलते प्रदूषण में और इजाफा हो रहा है। छोटी ग्वालटोली स्थित रियल टाइम पॉल्यूशन स्टेशन के मुताबिक, 9 अप्रैल को शहर का एक्यूआई लेवल 236 तक पहुंच गया था। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, पीएम-10 और नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि AQI के 100 से ऊपर होने पर यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाता है, खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों के लिए।

आईआईटी इंदौर की रिपोर्ट में खुलासा

आईआईटी इंदौर द्वारा की गई स्टडी में यह सामने आया है कि मध्य प्रदेश में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के नागरिक साल में औसतन 70 से 80 दिन बेहद प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं, जो पहले केवल 15 से 25 दिन होते थे। हालांकि दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश की तुलना में मप्र का प्रदूषण स्तर थोड़ा कम है, फिर भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यह अध्ययन आईआईटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मनीष कुमार गोयल और उनकी टीम द्वारा किया गया, जो टेक्नोलॉजी इन सोसाइटी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मप्र में औसतन पीएम 2.5 का वार्षिक स्तर 40-45 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि चरम प्रदूषण के दिनों में यह 200-250 तक पहुंच जाता है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया कि मप्र में प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 8 से 9 गुना ज्यादा है। स्टडी में यह भी पाया गया है कि महिलाएं प्रदूषण से अधिक प्रभावित हो रही हैं, जिसका मुख्य कारण घरेलू स्तर पर ठोस ईंधन (जैसे लकड़ी और कोयला) से खाना पकाने के कारण उत्पन्न होने वाला धुआं है। प्रो. मनीष गोयल ने यह भी बताया कि पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म कण बेहद खतरनाक हैं, क्योंकि ये फेफड़ों और रक्त प्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसे कणों से शरीर को रोकने के लिए कोई प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिससे यह गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

मध्य प्रदेश में बढ़ते AQI लेवल के पीछे कई अहम कारण सामने आए हैं, जिनमें प्रमुख हैं शहरों में चल रहे तेजी से विकास कार्य, वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी, गर्मी में बढ़ा हुआ एसी का उपयोग और हरियाली की कमी। इसके अलावा हवा की धीमी गति भी प्रदूषण बढ़ाने का बड़ा कारण बन रही है। अधिकारियों के अनुसार, तेज हवा चलने पर प्रदूषित कण वातावरण में फैल जाते हैं, जिससे प्रदूषण का स्तर घटता है। परंतु जब हवा कम चलती है, तो यह कण वहीं स्थिर हो जाते हैं और AQI को बढ़ा देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जब AQI 100 से ऊपर पहुंचता है, तो यह आंखों में जलन, गले में खराश और फेफड़ों में दिक्कतें पैदा कर सकता है, जिससे सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है।

इसी सप्ताह 236 के खतरनाक स्तर को छुआ

वायु प्रदूषण की स्थिति इतनी खतरनाक होती जा रही है कि इसी सप्ताह इंदौर में एक्यूआई ने 236 के खतरनाक स्तर को छू लिया। नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के द्वारा जारी की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यह एक बेहद खराब स्तर होता है। गौरतलब है कि बड़े धूल के कण और जहरीली गैसों की इतनी अधिकता होती है कि लोग कई तरह की बीमारियों के शिकार बन जाते हैं। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि एक सप्ताह पहले ही नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा वायु गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करने के लिए भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अपर सचिव नरेश पाल गंगवार और अतिरिक्त निदेशक एन. सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक का उद्देश्य इंदौर में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों की प्रगति का आकलन करना और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था। बैठक के बाद हमने तय किया है कि हम कई चरणों में इंदौर की वायु गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे।

वैदिक पर पहली किताब का विमोचन

डॉ. वैदिक पर हिन्दी अवदान को रेखांकित करती देश की पहली पुस्तक

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक पर लिखी गई पहली पुस्तक हिन्दी योद्धा- डॉ. वेदप्रताप वैदिक का लोकार्पण हुआ। पुस्तक में डॉ. वैदिक के हिन्दी प्रेम, जीवन यात्रा और उनके लेखों का संग्रह है।

शहर में पत्रकारों की पुरातन संस्था इन्दौर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित इन्दौर मीडिया कॉनक्लेव में बुधवार को राजेन्द्र माथुर स्मृति व्याख्यान के दौरान डॉ. अर्पण जैन अविचल द्वारा लिखी पुस्तक हिन्दी योद्धाः डॉ. वेदप्रताप वैदिक का लोकार्पण हुआ। मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार पी. साईनाथ, इन्दौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, इन्दौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, पद्मश्री जनक पलटा, प्रेस क्लब उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, प्रेस क्लब महासचिव हेमंत शर्मा, समाजसेवी अजय चौरड़िया व वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा इस मौके पर मौजूद रहे। इस मौके पर डॉ. अर्पण जैन ने बताया कि डॉ. वेदप्रताप वैदिक के परिचय और हिन्दी प्रेम को दर्शाने वाली यह देश की पहली पुस्तक है। डॉ. अर्पण जैन अब तक 15 से अधिक किताबें लिख चुके हैं और उन्हें साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश शासन द्वारा अखिल भारतीय नारद मुनि पुरस्कार व जम्मू कश्मीर साहित्य एवं कला अकादमी द्वारा अक्षर सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर सैंकड़ों पत्रकार, साहित्यकार और विद्यार्थी इत्यादि मौजूद रहे। कार्यक्रम संचालन संजय पटेल व आभार प्रेस क्लब उपाध्यक्ष दीपक कर्दम ने माना।

डॉ. अर्पण जैन ने बताया कि डॉ. वेदप्रताप वैदिक देश के पत्रकार एवं विचारक, पत्रकारिता, राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अनेक क्षेत्र में एक साथ मूर्धन्यता प्रदर्शित करने वाले अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी थे। मातृभाषा उन्नयन संस्थान के संरक्षक रहे और हिन्दी के प्रति उनकी अनन्य भक्ति को हमने इस पुस्तक में समायोजित करने का प्रयास किया है। इसका प्रकाशन वर्ष 2025 में संस्मय प्रकाशन, नई दिल्ली से हुआ है। इस पुस्तक में डॉ. वैदिक के सम्पूर्ण परिचय के साथ उनके जीवन के अनछुए पहलू, जो हिन्दी भाषा के लिए उनके संघर्ष, कार्य और अवदान के साथ-साथ कुछ किस्से, जो डॉ. वैदिक का हिन्दी प्रेम दर्शाते हैं, उनको सम्मिलित किया गया है। साथ ही, डॉ. वैदिक ने समय-समय पर हिन्दी का महत्त्व दर्शाने वाले आलेख लिखे हैं, उनमें से चुनिन्दा आलेखों का संकलन भी पुस्तक में है।

जैसे- अंग्रेज़ से ज़्यादा ख़तरनाक अंग्रेज़ी हिन्दी कैसे बने विश्वभाषा तमिल खुद सीखेंगे हिन्दी, हिन्दी के लिए खुला विश्व-द्वार, हिन्दी दिवस जनता कैसे मनाए? इत्यादि। अर्पण जैन ने बताया इस पुस्तक का एक उद्देश्य यह है कि आम जनमानस जो डॉ. वैदिक और उनके हिन्दी प्रेम के बारे में जानना चाहता है, उनसे परिचित होना चाहता है, वह सरल भाषा में उनसे जुड़ सके। साथ ही, दूसरा उद्देश्य यह है कि जो शोधार्थी डॉ. वैदिक पर अध्ययन करना चाहते हैं, उनके हिन्दी के प्रति अवदान पर कार्य करना चाहते हैं, सीखना और अनुसरण करना चाहते हैं, वे इस पुस्तक की सहायता से प्रारंभिक खांका तैयार कर सकते हैं। अर्पण ने बताया कि निःसंदेह किताबें समय का शिलालेख होती हैं। आज डॉ. वैदिक के देह त्याग किए लगभग 2 वर्ष बीत गए, किन्तु वे अक्षरदेह के रूप में हम सभी के बीच हैं। उन्हीं अक्षरों की साधना से ही डॉ. वैदिक अनंतकाल तक पुस्तकों के माध्यम से जनमानस के बीच उपस्थित रहेंगे। ऐसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य की स्थापना के लिए यह देश की पहली ऐसी पुस्तक है, जो उनके अवदान का संक्षिप्त परिचय देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी बड़े नगर निगम क्षेत्रों में गौशालाएं बनेगी

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता की रक्षा का संकल्प युगों-युगों से हमारी संस्कृति से जुड़ा है। खेती-बाड़ी में गौमाता की पहले काफी मदद ली जाती थी, लेकिन ट्रैक्टर, नए उपकरणों का उपयोग किया जाने लगा। इसकी मार हमारी गौमाता पर पड़ी। इंदौर के समीप महू के आशापुर गांव में नगर निगम गौशाला का निर्माण कर रहा है। शनिवार को इसकी भूमिपूजन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गौमाता अपने बच्चों को तो पालती है। इंसान का भी ध्यान रखती है। गौमाता का अमृततुल्य दूध पीकर हम बड़े होते है। हमारी संस्कृति में पहली रोटी गौमाता के लिए रखी जाती है। आखरी रोटी कुत्ते के लिए बनाई जाती है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति से जुड़ने के नियम बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता की रक्षा का संकल्प युगों-युगों से हमारी संस्कृति से जुड़ा है। पहले माना जाता था कि भारत में दूध-दही की नदियां बहती है। खेती-बाड़ी में गौमाता की पहले काफी मदद ली जाती थी, लेकिन बाद में ट्रैक्टर, नए उपकरणों का उपयोग किया जाने लगा। इसकी मार हमारी गौमाता पर पड़ी। जाने-अंजाने हमसे गलतियां भी हुई, लेकिन हमे वापस ध्यान में आ गया कि रासायनिक खाद के उपयोग से नुकसान हो रहा है। जैविक खाद से किसान की लागत भी कम हो रही है और पौष्टिक अन्न का उत्पादन हो रहा है। हमने संकल्प लिया है कि गौमाता को लावारिस नहीं रहने दिया जाएगा। सभी नगर निगम को बड़ी गौशालाएं बनाने के लिए कहा गया है।

इसके लिए राज्य सरकार भी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा देश भगवान राम और कृष्ण की धरती है। देश की पहचान उनसे भी होती है। प्रदेश में जहां भी राम और कृष्ण की लीलाएं हुई है। उसे हम तीर्थ बनाएंगे। महू के जाना पाव को भी तीर्थ स्थल का रुप दिया जाएगा। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि सवा सौ बीघा में गौशाला तैयार की जा रही है। हम इस गौशाला को आत्मनिर्भर बनाएंगे।

इंदौर में धूमधाम से मनाई हनुमान जयंती, निकाली प्रभातफेरियां

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

जन्मोत्सव पर विशेष आरती में हजारों भक्त शामिल हुए। मंदिर के आसपास के हिस्से को भी भगवा पताका से सजाया गया है। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटने लगी थी। यह सिलसिला रात तक चलता रहेगा। गर्मी के मौसम को देखते हुए टेंट लगाया गया है।

इंदौर में शनिवार को हनुमान जयंती की धूमधाम रही। मंदिरों में जहां विशेष आरती हुई, वहीं सुबह प्रभातफेरियां भी निकली। इसके अलावा भंडारों का दौर भी शुरू हुआ। शहर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर में सुबह विशेष आरती हुई। मोगरे के फूलों से मंदिर का श्रृंगार किया गया। इसके अलावा मथुरा से तैयार की गई विशेष पोशाख बाबा का पहनाई गई। बाबा के लिए सात फीट

लंबी इलायची की माला तैयार की गई है। सुबह जन्मोत्सव पर विशेष आरती में हजारों भक्त शामिल हुए। मंदिर के आसपास के हिस्से को भी भगवा पताका से सजाया गया है। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटने लगी थी। यह सिलसिला रात तक चलता रहेगा। गर्मी के मौसम को देखते हुए मंदिर परिसर में टेंट लगाया गया है। इसके अलावा 40 से ज्यादा कूलरों की व्यवस्था की गई है।

पितृ पर्वत पर सुबह हुई महाआरती

इंदौर के पितृ पर्वत पर हनुमान की अष्ठधातु की प्रतिमा स्थापित है। जयंती के मौके पर बाबा के विशेष श्रृंगार हुआ। सुबह महाआरती हुई। शुक्रवार रात को भजन संध्या का आयोजन भी किया गया था। जिसमें नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भजन सुनाए। इसके अलावा इंदौर के वीर आलीजा हनुमान मंदिर में हनुमान प्रतिमा का स्वर्ण श्रृंगार किया गया। यह फूल बंगला सजाया गया है। शाम को मंदिर में भंडारे के आयोजन होगा। इसके लिए पूरे परिसर को गोबर से लीपा गया है।

20 साल पुराने मदरसे पर चला बुलडोजर

अवैध निर्माण और गतिविधियों के आरोप

पीपुल्स प्रवक्ता, पन्ना

मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के मंडराए पर बुल्डोजर चलाने का मामला सामने आया है। यहां पन्ना नगर के वार्ड क्रमांक 26 पुराना पन्ना बीड़ी कॉलोनी में सरकारी जमीन पर बने मदरसे को गिराया जा रहा है। बीते रोज मुस्लिम समाज के कुछ लोगों की शिकायतों और सांसद विष्णु दत्त शर्मा की प्रतिक्रिया के बाद तहसीलदार ने कार्रवाई की।

जानकारी के मुताबिक तहसीलदार ने दो दिन के भीतर मदरसा गिराने का नोटिस जारी किया था। इसके बाद मदरसा संचालक ने शुक्रवार को खुद ही मदरसा गिराने का काम शुरू करवा दिया। इस काम में करीब 12 लोग लगे हुए हैं।

20 सालों संचालित

मामले में मदरसा के सदस्य जाकिर अली और मोहम्मद नसीम बताते हैं कि यह मदरसा पिछले 20 सालों से संचालित हो रहा था। पहले यह क्षेत्र ग्राम पंचायत के अधीन था और मदरसा पंचायत की इजाजत से बनाया गया था। अब यह क्षेत्र नगर पालिका के अधीन आ गया है। ये भी पढ़ें- सौरभ शर्मा के परिवार को दस-दस लाख के बॉन्ड पर जमानत, पासपोर्ट जब्त होंगे।

पद्मश्री जनक पलटा से 23 लाख रूपए की ठगी

SBI मैनेजर पर CBI की बड़ी कार्रवाई

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

समाजसेवी और पद्मश्री अवार्डी जनक पलटा से 23.47 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक के सीनियर असिस्टेंट मैनेजर दिनेश डोंगरे पर केस दर्ज किया है। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी जनक पलटा के साथ हुए धोखाधड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बड़ा कदम उठाया है। भारतीय स्टेट बैंक के एक सीनियर असिस्टेंट मैनेजर के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह धोखाधड़ी उस समय की गई जब आरोपी बैंक अधिकारी इंदौर की बिचौली मर्दाना शाखा में पदस्थ थे।

23 लाख से अधिक की रकम की गई गबन

आरोपी बैंक मैनेजर दिनेश डोंगरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जनक पलटा ने 1 जून 2020 को स्पेशल टर्म डिपॉजिट रिसिप्ट करवाया था। इस डिपॉजिट से डोंगरे ने 23.47 लाख रुपये की राशि अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी। इनमें से 10 लाख रुपये उन्होंने निकाल भी लिए। डोंगरे ने मैच्योरिटी से पहले ही 10 लाख रुपये पंकज जीनवाल के खाते में ट्रांसफर किए, फिर उस खाते में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर OTP प्राप्त किया और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

ऑडिट में सामने आई सच्चाई: स्टेट बैंक को जब इस मामले की शिकायत मिली तो बैंक ने इस पर तुरंत एक इंटरनल जांच टीम गठित की। इस दौरान बैंक की संबंधित शाखा का ऑडिट भी कराया गया। ऑडिट में वित्तीय गड़बड़ियों की पुष्टि हुई और जांच में डोंगरे दोषी पाए गए। इसके बाद बैंक प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो को इसकी शिकायत सौंपी।

सीबीआई ने दर्ज किया भ्रष्टाचार का मामला: CBI ने बैंक अधिकारी डोंगरे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (2) और 13 (1)(ए) के तहत केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में धोखाधड़ी और गबन की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। अब CBI इस प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है, जिसमें और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। मामले में जनक पलटा ने न्याय की उम्मीद जताई है और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

मानव श्रंगला बनाकर पेड़ों को बचाने के लिए कल बड़ा प्रदर्शन

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

लोग बोले विकास के बहाने सांसों का व्यापार बंद करे सरकार, यह सिर्फ हरे-भरे पेड़ नहीं, शहर के फेफड़े काट रहे नेता, हरियाली बचाने के लिए कल शाम रीगल तिराहे पर बनेगी विशाल मानव श्रंखला । हुकुमचंद मिल और शहर में अंतिम सांसें गिन रही हरियाली को बचाने के लिए जन आंदोलन की तैयारी शुरू हो गई है। इस आंदोलन की शुरुआत कल रीगल चौराहे पर विशाल मानव श्रंखला से होने जा रही है। यह श्रंखला 13 अप्रैल रविवार को कल शाम 5 बजे बनाई जाएगी। पर्यावरण प्रेमी संस्थाओं का कहना है शहर को हरा भरा रखने वाले यह पेड़ सिर्फ पेड़ नहीं हैं बल्कि यह शहर के फेफड़े हैं। इनकी बदौलत ही हम सब साफ स्वच्छ सांसें ले पाते हैं। शहर में सिर्फ 9 प्रतिशत हरियाली बची है मगर किसी न किसी बहाने इसे खत्म किया जा रहा है। शहर के प्रबुद्ध जागरूक नागरिकों का कहना है कि सरकार विकास के बहाने शहरवासियों की सांसों का व्यापार बंद होना चाहिए। आंदोलन से शहर की कई बड़ी संस्थाएं जुड़ गई हैं। सभी ने मिलकर इसे पर्यावरण प्रेमी नागरिक मंच नाम दिया है।

भोपाल, हैदराबाद के बाद इंदौर की बारी

यह जन आंदोलन हर घर, हर परिवार, हर शहरवासी से जुड़ा है

कल विशाल मानव श्रंखला से जन आंदोलन की शुरुआत करने वाले पर्यावरण प्रेमी संस्था का कहना है यह जन-आंदोलन किसी एक संगठन, एक संस्था या किसी पार्टी का नहीं बल्कि हर घर, हर परिवार, हर शहर वासी का है। जन आंदोलन की शुरुआत करने वालों ने एक इससे संबंधित पोस्टर बनाए हैं जिसमें जन प्रतिनिधियों सहित जनता से कुछ सवाल किए हैं।

जनता और नेताओं से सवाल

1. मां अहिल्या की नगरी इंदौर, में मां की संतानें शहर के मध्य बची आखिरी हरियाली और अंतिम जंगल पर भी कुल्हाड़ी चलने देंगे। मां अहिल्या की विरासत और उनके प्राणवायु के भंडारों को हम खुद अपने हाथों से नष्ट कर देंगे।
2. क्या हम अंतिम सांसें गिन रही शहर की 9 प्रतिशत हरियाली को भी नष्ट कर देंगे या इसे खत्म होते यूं ही देखते रहेंगे।
3. हरियाली को खत्म कर क्या हम शहरवासी अनगिनत पक्षियों व जीव-जंतुओं को बलि चढ़ने देंगे।
4. क्या हम बढ़ती आबादी और बढ़ते वाहनों के साथ घुट घुटकर स्वस्थ रह पाएंगे।
5. क्या जमीन के अंदर सूखते पानी और बाहर बढ़ते तापमान के अलावा वायु प्रदूषण के बढ़ते दुष्प्रभावों से इंदौरियों के जीवन की दुर्दशा देखते रहेंगे।
6. आखिर हम अब भी हम चुप क्यों हैं? क्या कारण है? क्या वजह है कि हमें कोई चिंता नहीं है।
7. इस शहर ने हमें सब कुछ दिया है, क्या हम इसकी हरियाली यानी फेफड़े नहीं बचा सकते।
8. यदि आप शहर की हरियाली बचाना चाहते हैं यदि हम अहिल्या नगरी का कर्ज चुकाना चाहते हैं तो कल शाम को 5 बजे रीगल चौराहे पर आकर एकजुटता दिखाइए। अपने साथ मित्रों को भी लाइए।

रीवा में 11 केवी बिजली टावर गिरा

ट्रैक्टर चालक की हालत नाजुक, एक अन्य घायल

पीपुल्स प्रवक्ता, रीवा।

रीवा जिले में 11 केवी बिजली का टावर गिर गया। ट्रैक्टर चालक की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, एक अन्य घायल हो गया। चालक को संजय गांधी अस्पताल से नागपुर रेफर किया गया है। रीवा के नईगढ़ी थाना अंतर्गत ग्राम करही में शुक्रवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। जब ट्रैक्टर ट्रॉली को बैक करते समय एक 11 केवी बिजली का टावर गिर गया।

टावर की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक मोहित पटेल (22 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसका भाई रोहन पटेल भी घायल हो गया। घटना रात लगभग 10 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली को बैक करते वक्त बिजली के टावर का खंभा ट्रॉली में फंस गया और अचानक चालक सीट पर जा गिरा, जिससे मोहित पटेल को गंभीर चोटें आई। हादसे की सूचना मिलते ही 100 डायल की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को नईगढ़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टरों ने मोहित की हालत गंभीर बताई और प्राथमिक उपचार के बाद उसे संजय गांधी अस्पताल, रीवा के लिए रेफर कर दिया।

वहीं, शनिवार की दोपहर तीन बजे उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रीवा से नागपुर के एक उच्च स्तरीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते यह दुर्घटना हुई है। यदि समय रहते खंभों की स्थिति का परीक्षण किया गया होता तो यह हादसा टाला जा सकता था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और घायलों के परिवार की मदद की मांग की जा रही है। मोहित पटेल के परिजन और ग्रामीण प्रशासन से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।